

DPN 6338

Title : मन्त्र सफू MANTRA SAPHU

Run. No. 7029

Cat. No. 43

Micro. No.

Subject Mantra

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. ✓ New. / Maith. - New. / New. - Nep. / नेपालभाषा निदेश र नया Direction.

Size in cms. 19 x 9

Folios 34

Lines (in a page) 6 irregular

✓ Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor ✓

फणीन्द्र रत्न वज्राचार्य
Phanindra Ratna vajracarya

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. ✓ / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thya ✓ saphu /

Condition : fine ✓ / damaged ✓ by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

0 5 10 15 20
C.M.S.



२ॐ का पिश्वो नाम्नि विगारु या न कृत्स्यात् ॥ ४॥
न २१ थम्भा चामद् नय नय द्वा न मन्त्र
यामा सा साया न द्द नया सा वृत्त्यु मिसा
याचा दा नीस । य ॥

मन्त्र सप्त

२ॐ नमः ॥ अद्यो नरु नवायु धालय २ नृदाय न
मस्तु न २ दूव रु धायाय दू रू दू साहा ॥ ४॥ १०५
अधाम न्नु ॥ ॐ नमः निवाय ॥ ॐ नमो गी गी
ववाव गी गी लसाय गी वृद्धाय नि गी वरु रु
गि गी कय ॥ द व नमस्तु नस्तु मि गी गु नृव म ॥

१२ गी गुरु श्रु ॥ ॐ श्रु धा न जाँ थ धा धाल
श्रु धा न या न्द्रा या र्ही यील वा म् जाँ जाँ दूँ नभा
न साहा ॥ श्रु धा ना न म नु रु जा य न रु य मा य
थ म या दा वि श्या म नु सि दि या य पा क र्मा या न
सा थ न म् ना व का य् डा न स ग्ग नि रु म् डा ॥
म हा म नु थ रु जा श्रु धा न म नु थ ॥

२ दूँ जा ना सि द्दी म क न्द का ली का दूँ ॥ थ म नु न
रु प न पा व् आ दूँ न प दूँ स हा न वि ज न पा दा व
या नि व कू या रु य म् मा न ना य रु मि व न रु न ॥
२ रु ना मा नि पु ना मा ३ ॥ मि वा र्जा कू वा र्जा ४ ॥ मि न प
क या य म ग्ग क ना ग ना य् म डा न रु न ० य ॥ ॥
२ ॐ सि दि गुरु श्रु ॥ वा रु म् स क्काँ र्ध नि ना सि

नरुवायाम्बरं दुँ दुँ सन, रुल सिद्धी काजी का
 रुं पं व न साहा ॥ ५११॥ आक्ष न ग ११ च सिन पाय,
 ऊष पाठा, प गु दि ग न हा य ॥ तं रु न थ ॥ थ क व
 मु रु न सा, ऊष न पा व वी य, रु य म द ॥ २३॥ थं दु
 आ हा, उ न म गु न् आ लू ग रा उ न म गु न् का आ
 द स ॥ उ थ द ऊ रु ग, उ जी उ दू गी नि रु, उ न म गु

ल् आ लू, उ न ग न नि पि, न क न, २ न रु न रु नी, णा
 णा वा न कु मा पि का आ लू रु न म न् ॐ ॥ ११॥ आ य
 वा व ॥ ५१॥ ॥ द ख न रु न सा आ क्ष न क रं क, स क रं
 द व मा न रु नी, आ श्व न न का य, थ म य न सा आ य
 न रु पा व रु नी न दू य, स म रु बा पा न मा य ना, या
 पा न मा व क रं क स मा व वा न्, म न् दु र्ख, द वं दु
 र्ख रु न सा, स सा क थि, आ य न का र वा य क, स म रु

20
15
10
आवन, न कइत सा, आषत क्कामयूता क्काम॥
॥२॥ थनन सिंघव क्क, अरु सगल न, दुऊ वर सवाय,
रुत सवाय दव, गहून को दवर स, गुसाय न्यामा
नाय प्रगथ दाव, कोखाय, गुना नै मशिका वृथ
वऊन नरु को शय कंद व मवन सय कं मद्,
थनन सिंघया आय माय मगल न स, रं नाइ सव
थय स, माहा हयं कन ग्कामय सहा गल न स हें

५
०
C.M.S. 5 10 15 20 25 30
क नव दवया क, अरु गायय वर ग, थमग नां ग्काम
दाथय स, मना नकम मद्, मसाने ग वान दाव
सु नाने थिय मद्, थनन सिंघव क्कान थम कोखा
य, नन सिंघयाय माय, थ नै ताद याय, रुमन थि
य मद्, आव नै थिय मद् याय थ॥ • ॐ ग्गारु गिह
नमनु, ग्गारु गिनन सिंघ विर, अरु गहन मनु वि
न, पाकं नन सिंघ विर, अरु गिनन मान कार्क

दाहाय माहा लूट कावाहा ॐ जीवा पार्व नि का
 हं सैं का द के ॥ अ गुरु द्वा नी वि द्वा नाम नि ना ऊ द
 वा वि न न सि र्ध क आ लू रु नाम नु ॐ ग व वा वा
 ॥ १००६ ॥ थ न न न सि य या ज्ञा य म नु थ श ना ॥

[illegible]

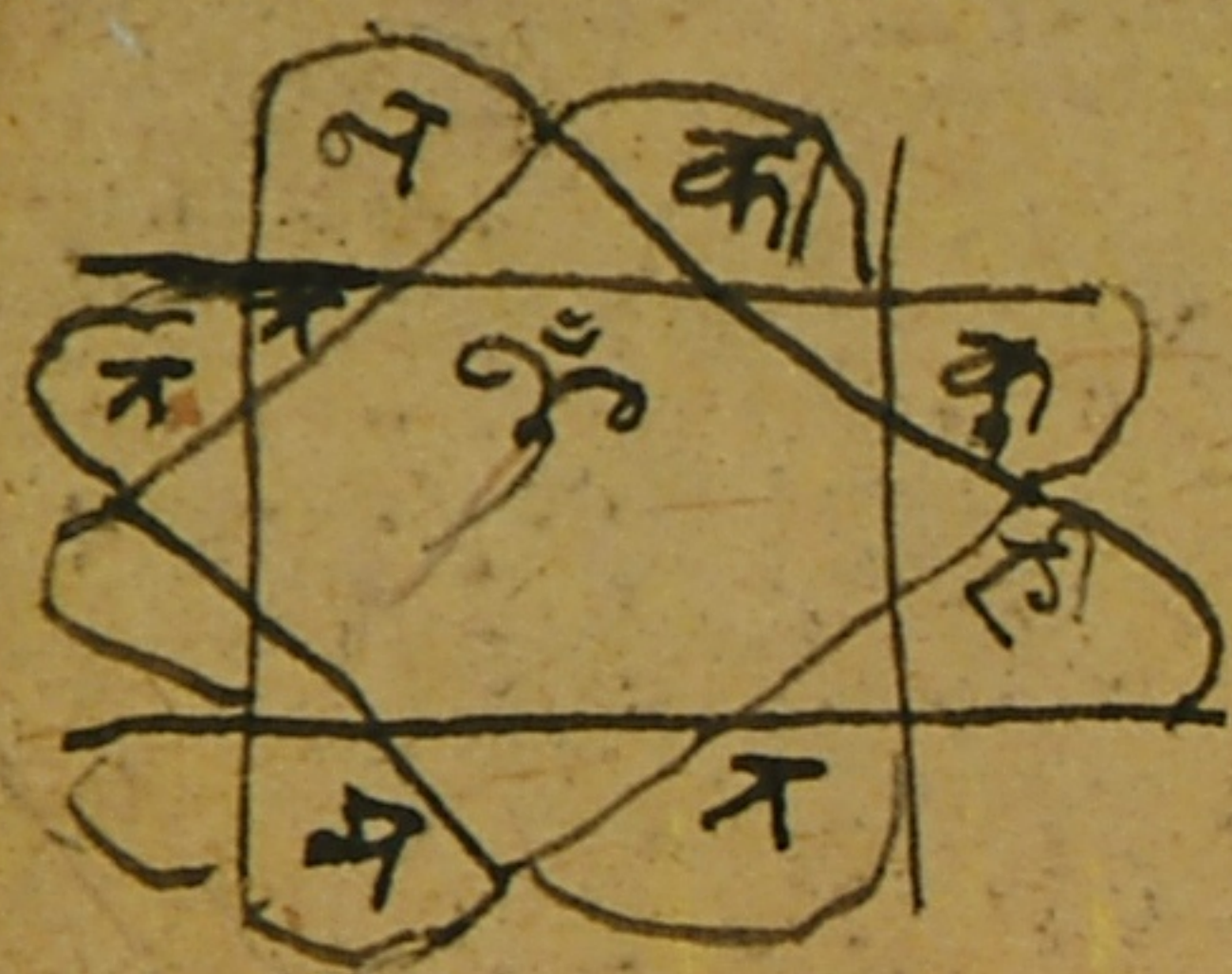
२७ रतीशकातीयसर्द्धनासीशा॥ मशकने स्तोया नाम
याम्बवलि सयाम्बसी सज्जक घ्या डं ताये मशक, जाके॥

१ जि जी जी जी
 शमुकि र कि
 जी जी जी जी

१ क क म ग न व न ल रु द प र स य स ग र व न वा सा या य
 नो व ध रु वि म रु न न या यि वा रु द न मा वा वी य रु न १५

१० श का र्णा वि का र्क का र्ण ५ न ३ स्वा न सं मं र या डा व
 वु व क म य व या य क रु न १॥

२५ न भाग नरुमा माता जा नं ॥ ५ ॥ जा नं रुद्र न स्वाता ॥ ४ ॥ धर्म न वृद्ध
जाद याय रुद्रा ॥ १ ॥



			ॐ			
			न	वा		
न	वा	न	न	म	य	न
क	वा	य	ॐ	ग	न	रु
ग	ना		ॐ	ग	न	रु

२५ रुद्र वा य. ग्वन. नलश कें
कें मज रुद्र पठ्ठा वा याव व
७ स्व क या डा श न य व न म
क क या वृ न क रु ना ॥ साती
वा लि क वृ व ॥

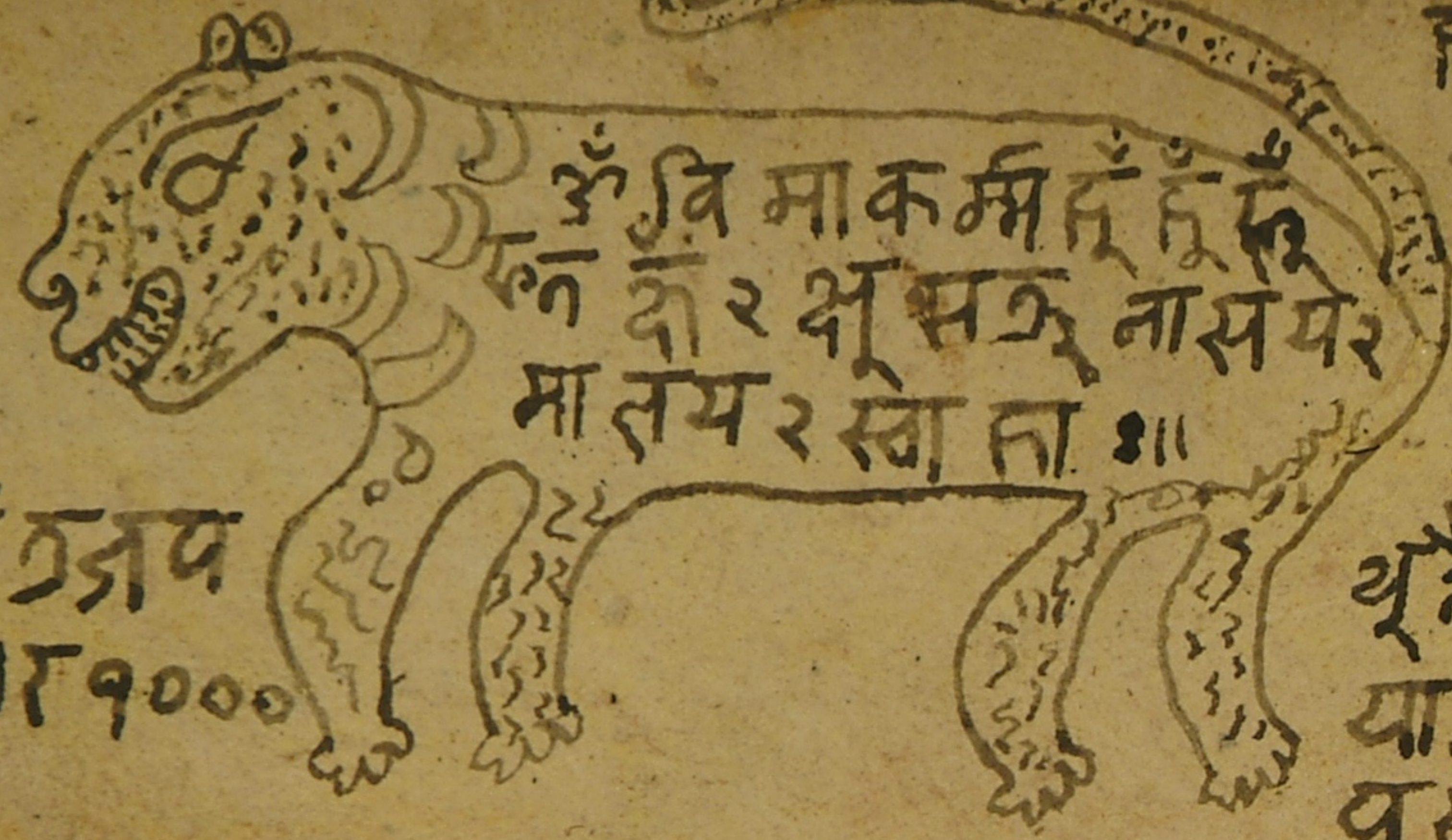
२ निग व सु ध ॥ ४ ॥ ताव नि दारा वा
न रु न म थ वा व ना क ॥ रुद्र य डा या
य हि दे म क ॥ १ ॥ ॐ ॥ न वा वा ॥ थ न
न रु ना ॥ उद व रु रा रुद्र न वा रुद्र व
न रु वा स व रा स व रुद्र रुद्र ॥

20

15

10

5



मंत्राय
५१०००

ॐ वि मा क म्म हूं हूं हूं
न दो र क्षु स ऊ ना स पर
मा ल य र स्वा हा ॥

ही न मूत्र पत्र स
यो या व कृष्ण म
र्तिक न धू यो या
धू या मं त्र वा थ
स यो या व वृ स
थू ने को ल स या ला
या सा या मे स या
व स द को या र्व
या म य म द र ल

१ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं क्षि त व ला य क
त सा हा ॥ धा ७ ॥ रे क्षा ते ग्व २ ७ जय लया व ह्रा ७
या त स धा द चि हा व कृ षा य के व लि या त १ द दू स
वि या व क ल ष स वा य स ति वृ न ल ष का या धा स व
जे हा य के ११ रु नि स व जा के ये मो ले रु ह्री न दू दू म
वि द या न के न दू दू वि य ॥

0

CMS

5

10

15

20

25

30

२ सि मा कि स न व या वा स थ । स ति । वा कू । सा र्ज ।
 ना । ते भू । ॥ ॥ क र्म स ले या य ता थ ॥ स उ ।
 सि ०० वा । र वौ । ॥ ॥

२ ०० श्री गो ख र ख उ वा च नो वा भू ती घ न रा गी धा न ग ने स
 भ लो बा स म् उ स ते कू रोगे र ख वा जा ॥ धा १००६ ॥ थ मंत्र न
 ची इ व ल वा व न के सा, मे स न दू द म वि व या वि मी व इ लो ॥ ६॥



थ व कू कू कू म जो ल व न न श्री य रु इ य रु स ची या शी मी स
 कू य थ न ली का या व कू ला ख स न या न कू र थ वा कू न य म
 व स स न व न कू मी सा इ सां मी इ इ सा न श प्र श स क ले व स इ व ॥



धृजं त्रु जो ल व न न रु ज व त्रु स धा या व. नरा
 धात जो ल प त म कू ल ल का रू प सू का ङ ना
 व का धा ल स धा ल ख या. ध सू का न ध मा व. गं ग
 कू रु य च ल्या न को ङ्रा य. ऋ ग वा ल न. पूर्व ङ्व य
 ङी ग नू द व न मा न्ना म्मा ॥ स नि च र वा न न. द क्षि न ङ्व य. क्ष म वा
 र न द क्षि न ङ्व. सू कू वा र उ त न ङ्व य. वृ ध वा र द क्षि म ङ्व य ॥
 धृ त वा र या दी ग ङ्व या वृ ह ल ल्या य. इ ल न ला यी वृ ऋ व स ॥ ॥

ह्यं स्वाहा ॥ १०८ ॥ ७ म सा न य मि ला पु सिं का प त न ड ॥ ७ उ दो का या
 जो ॥ ७ कू स्र या ध प त ध व लु क द को का प ल श पो ल चिं श व स त्र य
 कू स्र ध ग त य म त्रु भू स्र जु ह रा ज्ञा या के अ प रा ध जु ह लो क या के सि धि
 म द श्व न ना दिं जु लो ध व लु क का प ल श पो ल चिं य धु न का वृ ङ्गा
 या य मा ल ॥ ज प ल पे १०८

१ अथ धृ० ॥ श्री बंद १ क र्क २ २ अं व ल ३ ई का ४ य का ५
वा ल ६ म न सिल ७ क स बा या ८ ह री ताल ९ ल १० ल ह ल १०
बा क ११ ह ल १२ वि ह ल १३ सि ला जी १४ ल सां जन १५ स भा
जन १६ को ष षी १७ क या षी १८ क या वा १९ र ड स रा या
र स २० मे स या ला २१ मं दू ह या ला २२ मा हा स को व २३
म ती या डे ग २४ म ती या षी २५ ला हा २६ वि हा २७ व

दी वा ल २८ गं ग २९ य ला हा ३० कू त ३१ ते छे ३२ न
व सा ग ३३ वि ष ३४ म नू ष या गालि या ला ३५ ला भा ३६ नि ह
ल ३७ धू या को च ३८ क ई या सा ३९ क ई या डे कू ४० ब्रा य ४१
कं थ जी री ४२ कं कें म ४३ कं थ म ता सी या सी ४४ यां
ड के ति ४५ म नू ष या सा ४६ की सी या को च ४७ थू सा
या डे कू ४८ म ल च ४९ गं द ग ५० गं ध क ५१ को सी

धा ली ५२ भरत के सरी ५३ बादा या धूल ५४ हाँ ५५ ल
सी या ली ५६ का कविनी ६० न दे वा या ला ६१ की चा या
वा ६२ ये स ६३ ने दा मे स या ला ६४ बु ध य ६५ हा या
को व ६६ मा लू या ला ७० भो त सि या हा ७१ अ भी स हा ७२
दो या त या वा ७३ स्र सा न या न ली ७४ स ला या ला ७५
त ती या ख ल ७६ आ सा कू ली ७७ सी ली स ७८ स ल की

७९ अ ख कं भू जी ८० सा या ला ८१ उ थ या ला ८२ ई दु
जौ ८३ मा क ल या सा ८४ जी को ल ८५ पि पि ८६ हा म ल ८७
कु मारी या डा की ८८ भी म से न या सां ८९ ह ल थ न ९०
र क वं द न ९१ हर सि धि या सिं ध ल ९२ सि व या सी
ध ल ९३ को य ९४ ग व य ला या हा ९५ क स री ९६

जौ लोचन ६७ केसरी ६७ सित ह्वाय ६७ जता मा
सि १०० का कंठ धाया हा १०१ अवा मार्गीया हा १०२ गुरु
जाम सि १०३ साये ल १०४ थु ते चर्च या जग व सां धे
लन का ला व मंस १ पुमान जो म विने थ जो सि ह्वा
गुलि धू व थ ने थ या गुरु न ६७ या तादू व ल ग ह्वा
अ हा रो ज या दे स वा स थ जग त व या मो च या वा की

व व या वा थ मा ड या मून प्रेत वं लु यि सा व मृत जो
ल चि क व व ज ल थ ल स्र मा न या दा कि ति वो क सी
नि अ जी मंद ल स्या क मो लो य या व के वा ग स
का र्ज स दे स च र्च या द दू ई या द सा मे स स ला
कि सी जंग ल ल व मी रा म व व सी सु लि सं ग्राम
क व न दे व स या स ल न दी क या जे य वा व या ति क लो

[illegible]

२ सि दि गुरु आह्वा ॥ क्षत्र ॥ सम द म द
दि पः पि प म द पा (थ) रु न न पा (थ) उ न
प्र पा (थ) रु न न क न पि नाः गुरु कि स ग नि
रु म नु ० ० ० ० वा र व रु या ग नि कि आह्वा
॥ ॥ वा स न, स द या हि रु का ग नि न व ॥ ॥ ॥
दा क ॥ थ न न न कः उ र म न ना स ॥

२ ॐ गुरु आह्वा ३ ॥ २ ॐ विष्णु विष्णु मा दा वि
ष्णु, वि न द रु, रु न सा दा ४ ॥ पि न का य, वी क न, गुरु
न, दा प, ॥ क्षत्र ॥ २ ॐ न मा ता वा य रु ॥ क्षत्र ३
थ म रु न, पा न पा व न, रु या रु य म मा न, रु न
थी य म रु रु नो ॥ ना दा न सा न प, स पा स
क, मा न रु नो ॥

२ॐ नमो गुरु शिवायः ॥ १ ॥ ॐ नमो गुरु शिवायः ॥
यस्य नैव दत्तास्य विषयीदव नाव्युत्तमनु
प्रादवा नैयाजाता ननच जाव नैयाजा
सथाथायाप गमक्रायाम निज नैयाकाजा
जमयाक गमक्रान विषम दूरा ॥

१ सायाका सजाप प्रस्त्रायवायाका कनद
वदार् गु गु त्रि साया कु गु नी ध्वयम
लगयाका व लो नायायुदयार् जी इयाव
चानिद ना नाम व स्र वादया र्म मस्त जी गया
नारुद धरु जी ४ ॥ ॐ नमो गुरु शिवायः ॥

ज्ञानीवदीद विमर्ष उक्ता ॥ ५१ ॥ कं ० व र्व स य स
 न निरुदयाद व म रु न्. उ ना र्च क ल जे न क नो प्र
 ज्ञ न तु म ग व नी प र्ने ग (नी) द पि मा व ध न नृ व
 द रु न् पु द ज्ञ उ प द स द् रु न वि क ल म्. सू न रु न म
 ल य न् रु म् पु ज्ञ उ ग (नी) ॥ ० ॥ न वी. ला १ या ला रु
 १ ४ १ क पु न द १ पि प लि क्क (४) १ म उ व (ग) १ डि न ग १
 ० ० मू न ग १ ग रु न्. थ न्. क सी न वा न्. डी ला न्. ग
 ५१

ध न् रु न्. या ला व रु पि ची न ॥ ग रु ४ प ह न् म म
 ज्ञ न स द थ ग थ चा न ॥ ग रु ॥ ४ म सान म् रु थ ॥
 ० ० ला का क वा व रु का कि व द नाः ला ॥ व ना म व
 पि द प्रा न ता ला. वि न रु न् म न् रु ल स पा न वी थ
 उ त्र न् न न व सिं ध प र्त्र न न का या ॥ मा र्त्र मा र्त्र
 क र्त्र ना ॥ उ न् का उ न् व र्ध ॥ द र्शि का द र्शि ४ ॥
 प र्ध का प र्ध व र्ध ॥ दि ती म् नि रु प र्त्र या ला ॥ द कि

नीवंधी विह्वर्ष नां ग व ग त्रिवाक्तावध ॥ वा
 वासी सिवासी ऊनवंध ॥ थनवंध ॥ अंगी नीव
 ध ॥ पलामन अकृत नातीनी लं वं न कीवंध ॥
 शाचामचद किं वृद्ध मजीर कीगुचकसकती
 रूचमं न ॥ सा वावा सिद्धिगुच ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 अ३० ७ हनपुन चादमाय पाय पुन न गाय ॥

मं व न मख माय ख ऊ पु मा दा व ह न क ॥ मं व न द
 ष वि ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 तुती न ग वा द धू का मा हा ले ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ प सी द स्या म ता ॥ हा ऊ न चा द न त्रि न ख न या हा य ॥
 के ३ थ व द्वा ग क व र मा य आ ख ग ॥ वि र ती न म
 न ग ल ग वृ पी ना य वि र ता न द म ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 स्या क प म ॥ ३ भा न शा क म प म ॥ ३ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

पशानदख विलसा न्यशदं नरुस कृष्ण जीका
 गज वलाह सं कृष्ण नखा गनी गुरु यमा दा
 डा ती न्य व ३२ ॥ थक्रा ग वी र ती क्रो ग वा ग दा वद
 मा पू य म च न मा पू य ४ ॥ १३ उ त र न न सिं य प न न
 ती का या ती ग का न न रु न म न वि न वा ना मा ५ रु न
 क प न क न य गृ सा न दि न म रु क्ता नि का म य श्र

[illegible]

ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ किं वाचा ॥
मंत्र मंत्र विरह गतिगुरु किय गतिरूप मन्त्र रूप सोहा
॥ १॥ ॥ धर्म मन्त्र रूप वाचान जाद नया ये व पि
दयक व विरह विकार य निना खदक सुपेन गीत न
रा कल न घाय फाट्टय कावगीय धूमकाव रूपी
साय वनि नथा मुकाव नय नाख लायक थ ॥ रा लो

[illegible]

याग थय मरु मं थ ॥ अथ शालगयाय रुज सा व प स
म नु या य गाय क म द क पान द्वा न के मा ज कि न न
पाल क डी व क पा न स वा य के ग न र ख ने द हा व न व न स न
न ना व का य थ म या य रु न दा व का र न क र २ प २ य न र सा
छि १ सा ख ल अ सा छि १ मा ४ छ दा व रु प या स के द व डी ल लि
य न्या सि न के द व ला व द ० द ४ ॥ ॥ २३ ॥ २ सि धि ग न र या
ह्वा ॥ ११ ॥ ११ का लि मा हा का नि अ म मा नि का डी डी डी अ रु म मा
न अ रु हे न व सा हा सु मा न म दू दू रु दू डी डी डी डी रु स डी सा

हा गी का मा जा द वि आ रु दू दू रु दू ॥ ॥ ३ ॥ ॥ भ व या म
नु रु ग म या य न सी क न रु न दा व म ग न या ध न थ व रु
ति न ल ग धू ल का या व न या च्छा दा डा हा य स उ न रु स
दा नि रु या थ व ता रु य म द य के म द य के म सा न या वि
रु ति व न या च्छा दा च्छा स व म क डी व रु य द ॥ ॥ भ व या म
नु रु स म या य न स म ग न न हा प या य ॥ १० ॥ ६ ॥ ३ क
न द ग हा का म द १ के ग न न न व का या द रु म रु

[illegible]

वि. सर्वोऽमो रुनि न, था. नाथा नाथो माहा नाथः आदि
नाथं महात्मने ॥ गी. नाथ, गी. द्वि. नाथ, मिन नाथं नम.
सु. तं ४ ॥ ॥ व. कन. ग. मो. रुनी. रूप. सू. नाम. खान. का. व.
या. य. ॥ सि. द्वि. मो. रुनि. ॥ ना. उ. मो. रुनी. सर्व. मो. रुनि. का. उ.
मो. रुनी. ॥ ना. सू. त. थ. ॥ ४ ॥ ॥ २ॐ न. मो. सा. न. दा. दं. वि. न. मो.
॥ नी. य. स. ल. ७. नि. स. र. ण. ष्ठी. नि. ॥ वी. या. मा. नि. सू. त. द. पि. दं. वि.

10

८

॥राज्यावनीचतुर्वद्वनिशि॥वउहं ग कामि निरन्ध्रं ग
॥यकैमंरुगः विख्याता. सिद्धि॥खरुं नै वागीस पितथा
नी॥मंरुस लि विआदवी. सिद्धि॥खरुं सनसतीन मा मिहं
॥आनप र्षसप नमाः मिहं. पादुका॥ॐ निशा गनसती
यधति सुकसमाक॥ ॥सनसति समूलमन्त्र॥
२३ न माह गवती. दुंदुर्वा. गेय साह॥आपक मम

लु. काम ना सिद्धिं य ॥ ॥रुप १००॥ धूप. दिव. नेव
अ ॥३ ॥२ नैं जी रू. रू. रू. सा सनाय पादुका॥आना॥
नैं रुं सा सन था नाद वि. जी गी जी न प्रध्वनिता. वतुवा
दु. स. र्वा म काल काल लषी नी. अरुं पूषा क जाद धौ. वा
मं वल बुध. अय. गेय पूरु पमन्त्र. पीदु विदु प्रस का॥
आ न पादुकां पूरु नै॥ अ. बा ल भ्र मा धव न दे वि म

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

२ॐ दीपवतीरवनदय्य न साहा ॥ धर्मनून ॥
 जयजयनवनक, मिसा वस्यया यना, इ यो
 नन ॥ ॥ ल किंशु प्रवकायनीवि

ॐ जलेपी तथलेपी तशका सपी तयाहा
 धा १७ पीत जाले को काय गुगुलो

वपाद को ॥ जय ॥ ॥ श्री साहा ॥ श्री साहा ॥ ॥ वं को
 यनी को जय
 ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

गुलिजविक
 हरिनः स
 किसनयह
 गुलिजविक

कू कम, गम प्रावन, सर जय जय स
 न, नव कयववयहा ॥

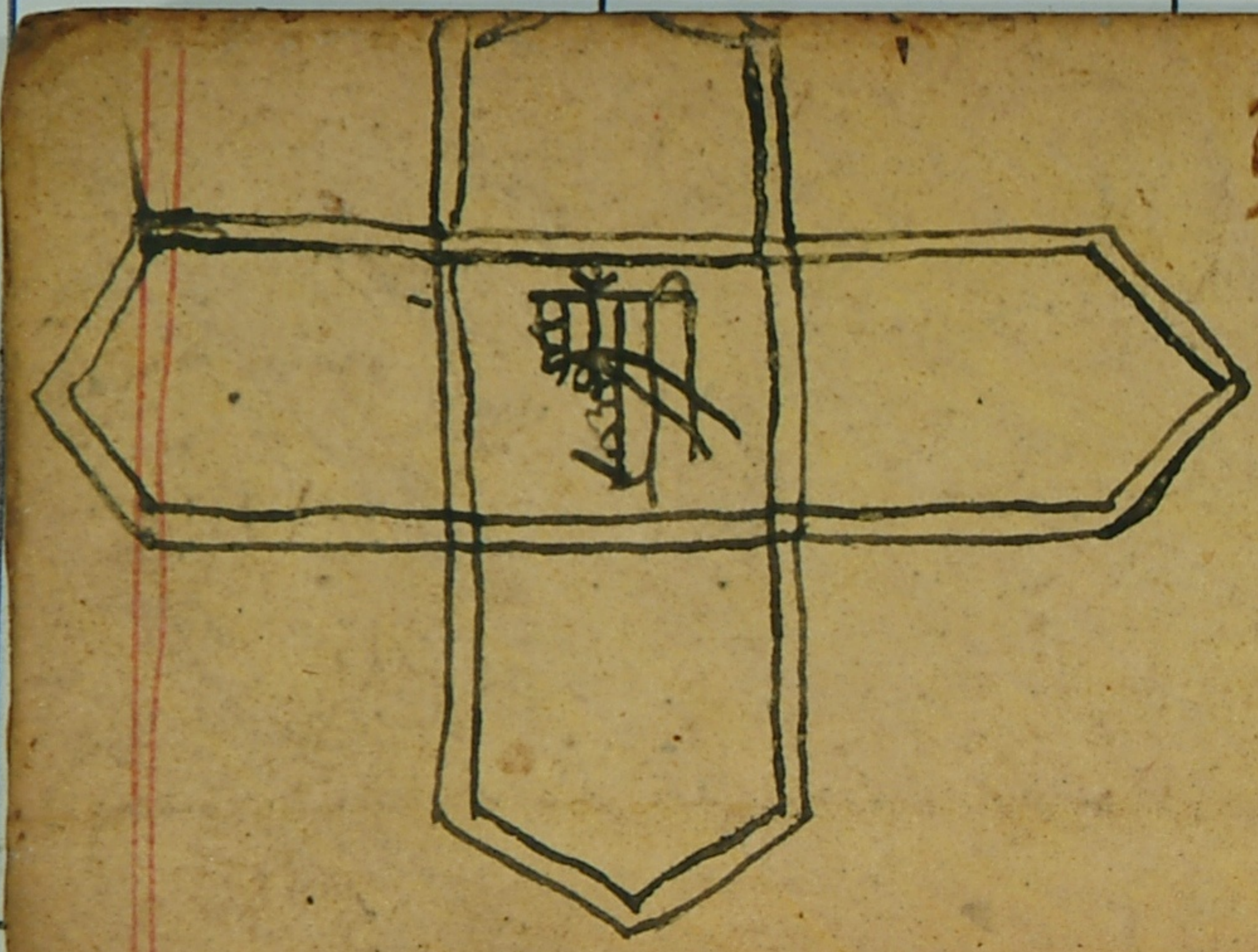
20

15

10

5

0



वीर नवी सुनु का का
 य स्वाहा ॐ नमो
 लवत ली गलु रा
 यः चार ९ सत
 ल पा दे ल जा की ज
 सो लो ह गल हा का जा क

ॐ नमोः॥ ओं र चो का य स्वाहाः॥ धार
 १॥ ११॥ १२॥ नी य पे ल हा जा की गु सा च
 ल ग र सा ॥ हा का च केः मे य ता गु सा के
 य के स तु ल सा च नः॥ ॐ नमो के
 रे वी सुनु रा पाः चार ९ ली का य रा

CMS

5

10

15

20

25

30

॥ ॐ सख बं • का का ठी वी सु, प्रवर्तनी पावर्तन, सि दि
गुन श्रु ॥ ५० ॥ धमनु न, तव क क्ति या ग ग
यस मन क क्ति या, का क क्ति या ॥ ५१ ॥ वि न्मा द
रु मा न्मा द ॥ ५२ ॥ धमनु न, यस या य, य ल मा द या य ॥
५३ ॥ ॥ २ मा ना उ (थो, रु जो उ (थो रु २ उ (थो, रु ग व ग
उ (थो, पा न् उ (थो वि न् उ (थो, गु न् श्रु ॥ ५४ ॥ यस या

ग य या य ॥ ५५ ॥ ॥ २ रु द् की मा रु, मा रु की सा रु, सा रु
कि य रु, य रु कि रु पा र्व नि कि या वा ॥ ५६ ॥ धमनु रु
प्र पा व, रि क न, रु य पा न् ग थ अ न्, कि न वा न सा
क क्ति या व स थ ॥ ॥ ३ रु (लो न रु, दि थि य ग न् रु
श्रु व थ र्व द्वि का म, ना नि वा र, ग गु न् श्रु ॥ ५७ ॥
॥ सु य र् न पा, सो थो थो य, म मु या य, ना स व न न य

20
15
10
नृखाथावनतय, वा सिं वाध्याम जगुयान्, रा
ॐ गुरुम नमः कुयाय, कृ (ग) गन कयक, कृ गुरु
संशयव ॥ ॥ २७ नमः १ गुरु को आदश ॥ ॥ वनव
ॐ लउदंत काया साधक मात्र कसाद याया, सती
वनी की नावाना, कुरुर्व सग नाम पावती अवन

5
0
पि, माघमाजा, सुधल, नगतव सु पिरुवर्त्त, सी
खचक्रवदा श्री न, यद्मरुह माहा लुन, सर्वदेवनी
कृ नः ॥ ॥ नल सिं व ॐ म न् ॥ ॥ रि गुरु १ ॐ नमः, थ
मं कृ य प ॐ न, य ख नि न, व मा ह य, व या ह य, कि
सी मा ह य, ख क ह य, व व न व व न या ह य, सी ग म
मा ह य, म न् व या ह, ह न, प्र न, पि सा व, द व या ह य

दा किना, सा किनियारु य, समनुयारु यमदथ ॥
 प्रय ॥ वायुय ॥ पृथुय ॥ वा क ॥ मनु, कृसगुनी
 वाय, कृगु २ कृ ॥ पात्रदुय, प्रजायाय, वाहान
 हासननव, दुगुरुनसा, मगुरुनसा नव, ग ॥
 ग कं प्रजायाय, आदिवात्रकृ ॥ नासवास, वाहि

विददाव, लाममाय, मनुथदुय, वाग कयाना ॥
 २माहौ ॥ ४१ ॥ थमनुनरुय, गृथिवाफवानमि
 स्वाउय, मवनरुय विदव क्काखानेदयुडा, वाक
 गवन, वयथिमेमरु ॥ ॥ २० ॥ सिद्धिआगा, व
 क्काआगा, चंदुआगा, वीरुआगा ननुआला,
 कृनुहिंआना, कवहिंआना ॥ गविदुआना, रुस

